अभ्यास – 4 : 13 सितंबर क्लास से पहले

1. नीचे दी गई कविताओं को ध्यान से पढ़ें। इनके विषय-वस्तु और भाषा-शैली पर तुलनात्मक टिप्पणी करें।

'मुक्ति प्रसंग' में से - **-** राजकमल चौधरी

सुरक्षा की मोह में ही
सबसे पहले मरता है आदमी
अपने शरीर के इर्द-गिर्द
दीवारें ऊपर उठाता हुआ
मिट्टी के भिक्षा-पात्र
आगे, और आगे, और आगे बढ़ाता हुआ
गेहूँ और हथियारबन्द हवाई जहाज़ों के लिए
केवल मोहविहीन होकर ही
जबकि
नंगा, भूखा, बीमार आदमी
सुरक्षित होता है।

मारे जाएँगे - राजेश जोशी

जो इस पागलपन में शामिल नहीं होंगे
मारे जाएँगे

कठघरे में खड़े कर दिये जाएँगे, जो विरोध में बोलेंगे
जो सच-सच बोलेंगे, मारे जाएँगे

बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कि किसी की कमीज़ हो
'उनकी' कमीज़ से ज़्यादा सफ़ेद
कमीज़ पर जिनके दाग़ नहीं होंगे, मारे जाएँगे

धकेल दिए जाएंगे कला की दुनिया से बाहर, जो चारण नहीं
जो गुन नहीं गाएंगे, मारे जाएँगे

धर्म की ध्वजा उठाए जो नहीं जाएँगे जुलूस में
गोलियां भून डालेंगी उन्हें, काफ़िर करार दिये जाएँगे

सबसे बड़ा अपराध है इस समय
निहत्थे और निरपराधी होना
जो अपराधी नहीं होंगे
मारे जाएँगे।

दूसरा बन-बास - कैफ़ी आज़मी

राम बन-बास से जब लौट के घर में आए
याद जंगल बहुत आया जो नगर में आए

रक़्स-ए-दीवानगी* आँगन में जो देखा होगा *(पागल-नाच)
छे दिसम्बर को श्री राम ने सोचा होगा

इतने दीवाने कहाँ से मेरे घर में आए
जगमगाते थे जहाँ राम के क़दमों के निशाँ

प्यार की काहकशाँ* लेती थी अंगड़ाई जहाँ *(आकाशगंगा)
मोड़ नफ़रत के उसी राहगुज़र में आए

धर्म क्या उन का था, क्या ज़ात थी, ये जानता कौन
घर न जलता तो उन्हें रात में पहचानता कौन

घर जलाने को मेरा लोग जो घर में आए
शाकाहारी थे मेरे दोस्त तुम्हारे ख़ंजर *(छुरे)

तुम ने बाबर की तरफ़ फेंके थे सारे पत्थर
है मिरे सर की ख़ता*, ज़ख़्म जो सर में आए *(ग़लती)

पाँव सरजू* में अभी राम ने धोए भी न थे *(सरयू नदी)
कि नज़र आए वहाँ ख़ून के गहरे धब्बे

पाँव धोए बिना सरजू के किनारे से उठे
राम ये कहते हुए अपने द्वारे से उठे

राजधानी की फ़ज़ा आई नहीं रास मुझे
छे दिसम्बर को मिला दूसरा बन-बास मुझे।

2. नीचे दिए गए लिंक से स्वयं प्रकाश की कहानी 'पार्टीशन' पढ़ें।

https://www.hindwi.org/story/partition-swayam-prakash-story?sort=popularity-desc

कहानी का शीर्षक 'पार्टीशन' क्यों रखा गया है? माना जाता है कि स्वयं प्रकाश की कहानियों में समकालीन स्थितियों को लेकर एक बेचैनी दिखती है - क्या इस कहानी में ऐसी बात है? कहानी की भाषा शैली पर टिप्पणी करें।

3. ऊपर दी गई कविताओं और कहानी को पढ़ कर साहित्य और विचारधारा के संबंध पर अपने ख़याल लिखें।